कारोबारी माहौल का असर, यूपी में कंपनियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर

तीसरे नंबर पर आया यूपी, पश्चिम बंगाल चौथे पर खिसका, प्रदेश में सक्रिय कंपनियों की संख्या हुई 1.45 लाख

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और 25 सेक्टोरेल पॉलिसी के असर से कंपनियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। अब सक्रिय कंपनियों की संख्या 1.45 लाख से ज्यादा हो गई है।

डिफेंस कॉरिडोर, निवेशक सम्मेलन और भूमि पूजन समारोह के जरिये हुए निवेश से इनकी रफ्तार इतनी तेज रही कि कंपनियों का गढ़ रहे पश्चिम बंगाल भी पीछे रह गया। इन कंपनियों के जरिये प्रदेश में 16 लाख करोड़ का कारोबार हो रहा है।

प्रदेश में 1.45 लाख से ज्यादा सक्रिय कंपनियों के चलते देशभर में पंजीकृत कुल कंपनियों में यूपी की हिस्सेदारी 8.2 फीसदी हो गई है। वहीं पश्चिम बंगाल में 1.44 लाख कंपनियां पंजीकृत हैं। अब यूपी तीसरे स्थान पर आ गया है और पश्चिम बंगाल चौथे स्थान पर खिसक गया है। पहले स्थान पर महाराष्ट्र है, जहां 3.38 लाख से ज्यादा कंपनियां हैं। दिल्ली 2.46 लाख कंपनियों के साथ दूसरे नंबर पर है। यूपी में कंपनियों के पंजीकरण की ग्रोथ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2023 से लेकर वर्तमान तक, करीब 29 हजार नई कंपनियां पंजीकृत हुई हैं।

ये संख्या महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा है। इसी अवधि में पश्चिम बंगाल में सिर्फ 9000 कंपनियां ही पंजीकृत हुईं। दिलचस्प बात ये है कि नई कंपनियों के मामले में पश्चिम बंगाल भले पीछे रह गया हो, लेकिन बंद होने के मामले में यूपी से आगे है। पश्चिम बंगाल में कुल 2,43,249 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं, पर 94 हजार से ज्यादा कंपनियां बंद हो गईं। वहीं, यूपी में 1.99 लाख से ज्यादा पंजीकृत कंपनियों में से करीब 52 हजार बंद हुई हैं।

दूसरी अर्थव्यवस्था वाला राज्य पहले ही यूपी

यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य पहले ही बन चुका है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी के मामले में यूपी, महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर है। जीडीपी में महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 15.7 प्रतिशत है और वह पहले पायदान पर है। यूपी 9.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। इस मामले में यूपी ने तमिलनाडु (9.1 प्रतिशत), गुजरात (8.2 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (7.5 प्रतिशत), कर्नाटक (6.2 प्रतिशत) जैसे राज्यों को पछाड़ दिया है।

प्रदेश में कंपनियों की ग्रोथ के खास कारण

- आर्थिक विकास की बढ़ती संभावनाओं में यूपी देशभर में नंबर वन
- 25 करोड़ की विशाल आबादी के साथ भारत का सबसे बड़ा बाजार
- राज्य की 57 फीसदी आबादी कामकाजी, खपत में इजाफा
- ट्रेडिंग के मामले में सबसे बड़ा राज्य, अब मोबाइल, आईटी, डिफेंस में अग्रणी
- सेमीकंडक्टर सेक्टर में देश का सबसे बड़ा राज्य, तेज ग्रोथ की संभावना
- सालाना आर्थिक वृद्धि 2021-22 में 7.5 फीसदी से बढ़कर 11.4 फीसदी
- बैंकिंग कारोबार 12.80 लाख करोड़ से बढ़कर 26 लाख करोड़ हो गया
- जीडीपी 26 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर अगले वित्त वर्ष में 32 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी